

夏锁富◎著

钢笔练草书

新编注释版草书速成歌诀心法



海天出版社（中国·深圳）



夏锁富◎著

钢笔速练草书

新编注释版草书速成歌诀心法

▲ 海天出版社（中国·深圳）

图书在版编目(CIP)数据

闲暇练草书 / 夏锁富著. — 深圳: 海天出版社,
2016. 11

ISBN 978-7-5507-1784-8

I. ①闲… II. ①夏… III. ①草书—书法 IV.
①J292. 113. 4

中国版本图书馆CIP数据核字(2016)第248197号

闲暇练草书

Xianxia Lian Caoshu

出 品 人：聂雄前

责 任 编辑：王 民
蒋鸿雁

责 任 技 编：梁立新

责 任 校 对：万 妮 霞

装 帧 设计：思成致远

出版发行：海天出版社

地 址：深圳市彩田南路海天综合大厦(518033)

网 址：www.htph.com.cn

订 购 电 话：0755-83460293(批 发) 83460397(邮 购)

排 版 制 作：深圳市思成致远创意文化有限公司 0755-82537697

印 刷：深圳市希望印务有限公司

开 本：787mm×1092mm 1/16

印 张：14

字 数：25千

版 次：2016年11月第1版

印 次：2016年11月第1次

定 价：28.00元

海天版图书版权所有，侵权必究。

海天版图书凡有印刷质量问题，请随时向承印厂调换。

序

书法是中华民族的文化瑰宝，汉字在漫长的演变发展中，一方面起着思想交流、文化传承的社会作用，另一方面它本身又形成了独特的造型艺术。从甲骨文，到金文，到篆书，到隶书，到楷书，到行书，到草书，书写速度不断提高，与书写者性情的契合也得到发展。在各书体中最能达其性情者以草书为最，所谓“书为心画”“世间万物皆草书”。

然而，草书虽然满纸盘旋、飞舞、内气充盈，能传其浪漫与激情，能满足人们求异的心态，最能吸引人的视线，但并不是任意为书。史载，北宋丞相张商英好草书而不工，当时流辈皆讥笑之，丞相自若也。一日得句，索笔疾书，满纸龙蛇飞动，使侄录之。当彼闲处，侄惘然而至，执所书问曰：“此何字也？”丞相熟视之，亦不自识。诟其侄曰：“汝胡不早问，致予忘之。”可见草书虽然笔意放纵，笔势连绵环绕，看似龙飞凤舞，实则点画的连接、结构的简省、偏旁的假借，都有法度和规范性。

夏锁富先生，幼喜书法绘画，研习书法几十年，有相当的书法造诣和较高的书法创作水平，撰有《老人学书画》等书。《闲暇练草书》是他数十年书法研究学习的成果。他从历代草书的经典中精选造型、线索、体态

最好且最适合当代公众审美代表性的字，按照每个字的特点，进行合理的分类组合，寻找其共性，采用现代诗韵编为歌诀，使读者易于诵读，增强记忆，宜书、宜记，出处准确，不愧为广大书法爱好者学习、研究草书的很好的读本。

童志雄

中国书法家协会会员

深圳市书法家协会副主席

前 言

草书是最具艺术魅力的汉字字体之一，是受广大书法爱好者所喜欢的。为给初学者一些有益的帮助，本书传承了有韵味的歌诀文体，参考历代草书典籍碑帖资料，综合作者对字、书的理解与领悟，编写了“草书歌诀”，又用草书形式写出，并逐句加了注解，然后汇成此书。

在浩瀚的草书世界里，汉字可以说是形态各异、变化万千，一个字有几种、十几种甚至几十种的写法。本书在众多草书文字中尽力挑选了通俗易记、笔法流畅、结构合理、形态秀美、有一定代表性的字。随着时代的发展、语言的演变，草书歌诀韵律也在发生着变化。既为歌诀，就必然要用韵，本书采用现代诗韵，意在使读者易于诵读，便于记忆。另外，尽量做到根据每个字的特点进行合理的分类组合，寻找其共性加以注解，以求达到练一字而能了解多字写法之目的。

总之，在编写的过程中始终本着宜书、易记、依典、准确的基本原则，尽可能地做到分类合理、释解通俗、句能和韵、字出有据，力求篇少重复字、字有代表性。但因水平有限，定有不尽如人意之处，尚望读者海涵。

夏锁富
2016年8月

目 录

| | |
|---------------|-------|
| ◎ 草书最为难 章法雾里观 | |
| ◎ 深悟撇茫势 龙蛇竞笔端 | |
| ◎ 左阜贝丁反 | |
| ◎ 右刀寸点弯 | |
| ◎ 左屯金石火 | |
| ◎ 右它色巨垂 | |
| ◎ 有点方为水 | |
| ◎ 空挑却是言 | |
| ◎ 一广头无左畔 | |
| ◎ 之绕去侧边 | |
| ◎ 十朱知奉己 | |

011 010 009 008 007 006 005 004 003 002 001

| | |
|---------|-------|
| ◎ 三口代言宣 | |
| ◎ 亦禾合成稟 | |
| ◎ 七红即是袁 | |
| ◎ 车能门干合 | |
| ◎ 县乃小早翻 | |
| ◎ 颠向戈牛始 | |
| ◎ 鸡须下子先 | |
| ◎ 寿宜圭可合 | |
| ◎ 常竟小月满 | |
| ◎ 止司齿须叩 | |
| ◎ 一坐圣即安 | |
| ◎ 乡卿随口得 | |
| ◎ 爰查傍武全 | |

024 023 022 021 020 019 018 017 016 015 014 013 012

| | |
|---------|-------|
| ◎ 才干并株卉 | |
| ◎ 门柬一撫阑 | |
| ◎ 母乃女怀珠 | |
| ◎ 皮可叟弃点 | |
| ◎ 右爪生抓派 | |
| ◎ 左骨写骸翾 | |
| ◎ 敢敢右类取 | |
| ◎ 孤殆左同歼 | |
| ◎ 益蹇脚若适 | |
| ◎ 熊弦身似然 | |
| ◎ 昌曲末如鲁 | |
| ◎ 淬谨容似染 | |
| ◎ 奈骨藏卒率 | |

037 036 035 034 033 032 031 030 029 028 027 026 025

| | |
|---------|-------|
| ◎ 菰肤类楚煎 | |
| ◎ 雍杂依稀离 | |
| ◎ 勇舅彷佛勇 | |
| ◎ 或戒爻先设 | |
| ◎ 两甫追望南 | |
| ◎ 玉山头为武 | |
| ◎ 干街点是丹 | |
| ◎ 牛尾甩引步 | |
| ◎ 毛卷圈显奄 | |
| ◎ 雨同蒙虚雾 | |
| ◎ 手旁详牒羨 | |
| ◎ 长短分知去 | |
| ◎ 毫厘视止山 | |

050 049 048 047 046 045 044 043 042 041 040 039 038

| | |
|---------|-------|
| ◎ 庶因瘞毫別 | |
| ◎ 旨系百首簪 | |
| ◎ 曾差首皆同 | |
| ◎ 亂辭始一般 | |
| ◎ 既防吉作吉 | |
| ◎ 更慎达为连 | |
| ◎ 耐财真难别 | |
| ◎ 嗣邦岂易参 | |
| ◎ 蹄号应遵法 | |
| ◎ 云虐焉无典 | |
| ◎ 矣其头少变 | |
| ◎ 兵共足双联 | |
| ◎ 浸将绳当腊 | |

063 062 061 060 059 058 057 056 055 054 053 052 051

| | |
|---------|-------|
| ◎ 休认寡为宽 | |
| ◎ 乌鸟好羽翼 | |
| ◎ 岚刚同衣冠 | |
| ◎ 夏忧收笔白 | |
| ◎ 业万始毫天 | |
| ◎ 公部习松招 | |
| ◎ 欲猷蒙韵烟 | |
| ◎ 缨缕多一点 | |
| ◎ 帝亭少半圈 | |
| ◎ 孟冬始当决 | |
| ◎ 此计终细判 | |
| ◎ 就中侦廓庙 | |
| ◎ 脚下识含贪 | |

076 075 074 073 072 071 070 069 068 067 066 065 064

- ◎ 纳约亲兄弟
◎ 摄称属比肩
◎ 荒恭舞婆霓
◎ 晋吾口益兼
◎ 善舍情貌贴
◎ 腾胜竟形粘
◎ 君品秉耶康
◎ 众议就呀嘶
◎ 不等说歪正
◎ 失矢有同衫
◎ 浸归浑中清
◎ 壴睿岂容缓
◎ 俞命上下点

089 088 087 086 085 084 083 082 081 080 079 078 077

- ◎ 笙对有无弯
◎ 盘貌恰如盟
◎ 医初忘卖坚
◎ 佳星兴雅津
◎ 静封显庄严
◎ 莓写仰作澍
◎ 分书绿是缘
◎ 即脚犹如怒
◎ 还身附近迁
◎ 喜影梁间燕
◎ 寒隐野洲寒
◎ 草木分蒸极
◎ 王鱼晓琛鯈

102 101 100 099 098 097 096 095 094 093 092 091 090

| | |
|---------|-------|
| ◎ 路左言偏借 | |
| ◎ 除右手正添 | |
| ◎ 委中潜妻委 | |
| ◎ 肄初随轻干 | |
| ◎ 夺也趋似旧 | |
| ◎ 侯兮不减詹 | |
| ◎ 泰同东且异 | |
| ◎ 府像辱还偏 | |
| ◎ 解辟拜峰降 | |
| ◎ 慨晚输纸眠 | |
| ◎ 备满惊禹禹 | |
| ◎ 玄故愧谌堪 | |
| ◎ 耻死气匪罪 | |

115 114 113 112 111 110 109 108 107 106 105 104 103

| | |
|---------|-------|
| ◎ 福襦慕傅传 | |
| ◎ 闹闲羨到别 | |
| ◎ 守官炉顽颜 | |
| ◎ 烟结威戚感 | |
| ◎ 重释毅敲殷 | |
| ◎ 予矛柔增趣 | |
| ◎ 居者苦互谙 | |
| ◎ 利和私有象 | |
| ◎ 宪害审相牵 | |
| ◎ 左辨郊邻郭 | |
| ◎ 下察禁楚攀 | |
| ◎ 沔明辰食良 | |
| ◎ 亦令别荆前 | |

128 127 126 125 124 123 122 121 120 119 118 117 116

| | |
|----------|-----|
| ○ 兮兔儿曾闻 | 129 |
| ○ 宁叔芹一班 | 130 |
| ○ 成盛几来隐 | 131 |
| ○ 克充充竞渐繁 | 132 |
| ○ 令会念易惑 | 133 |
| ○ 示衣尤并展 | 134 |
| ○ 睹孝都戏聚 | 135 |
| ○ 郊歌歌比翩 | 136 |
| ○ 帛禽市巾地 | 137 |
| ○ 仓衾哀人天 | 138 |
| ○ 茶翁荣发草 | 139 |
| ○ 师贱涉含芳 | 140 |
| ○ 思夷鱼如画 | 141 |

| | |
|---------|-----|
| ○ 禾乎手似年 | 142 |
| ○ 评比以次竹 | 143 |
| ○ 带弯高齐斋 | 144 |
| ○ 求冰水流益 | 145 |
| ○ 峰盆山岚仙 | 146 |
| ○ 只味可和告 | 147 |
| ○ 壹壑壮土垣 | 148 |
| ○ 暑昶日景晔 | 149 |
| ○ 唯沁火忘忝 | 150 |
| ○ 鹿蛇蜀蠷蠷 | 151 |
| ○ 兼群羚羊鲜 | 152 |
| ○ 辨头知萧鼠 | 153 |
| ○ 服中推寅宾 | 154 |

| | |
|---------|-----|
| ◎ 镶肠易交友 | 155 |
| ◎ 洋浑结连衿 | 156 |
| ◎ 数段情何密 | 157 |
| ◎ 反巫势则匀 | 158 |
| ◎ 固晏防梦简 | 159 |
| ◎ 自慎定浮淳 | 160 |
| ◎ 常说同是词 | 161 |
| ◎ 屡想厚似存 | 162 |
| ◎ 款频初需查 | 163 |
| ◎ 醉碎启始寻 | 164 |
| ◎ 减灭肚里鉴 | 165 |
| ◎ 党堂坐时魂 | 166 |
| ◎ 绝顶窥虎逼 | 167 |

| | |
|---------|-----|
| ◎ 起笔分论临 | 168 |
| ◎ 载裁体内悟 | 169 |
| ◎ 友发且纷纭 | 170 |
| ◎ 老世衰多少 | 171 |
| ◎ 谢衡探浅深 | 172 |
| ◎ 垂岳许相配 | 173 |
| ◎ 乔商叹不群 | 174 |
| ◎ 慎怀容易错 | 175 |
| ◎ 器冥里表甄 | 176 |
| ◎ 多要制成判 | 177 |
| ◎ 糜让闷混昆 | 178 |
| ◎ 丽琴额不疑 | 179 |
| ◎ 教奔七当尊 | 180 |

| | |
|---------|-------|
| ◎ 点伍验外卯 | |
| ◎ 方木见於村 | |
| ◎ 功劳须拜身 | |
| ◎ 非作浑如化 | |
| ◎ 长裹羞窥辰 | |
| ◎ 黑尾头比毕 | |
| ◎ 政改聊近攻 | |
| ◎ 曹甚不同根 | |
| ◎ 大畔微弯使 | |
| ◎ 绪丝边类孙 | |
| ◎ 以里辨曼戛 | |
| ◎ 圭下别奏春 | |
| ◎ 细识劣哉贼 | |

193 192 191 190 189 188 187 186 185 184 183 182 181

| | |
|---------|-------|
| ◎ 严别庄藏尘 | |
| ◎ 酒花分水草 | |
| ◎ 技放认支文 | |
| ◎ 而添向土点 | |
| ◎ 飞循乙九人 | |
| ◎ 庆为草门反 | |
| ◎ 早得幸头门 | |
| ◎ 乙未献举子 | |
| ◎ 北之欲登云 | |
| ◎ 始学记农体 | |
| ◎ 随到狂颠时 | |
| ◎ 行笔自通神 | |
| ◎ 后记 | |

205 204 203 202 201 200 199 198 197 196 195 194

玄

子

沈

也

玄

子

沈

也

玄

子

草书最为难

(書)

(難)

章法雾

(霧)

里

(裏)

观

(觀)

深悟微茫势(勢)
龙蛇竞笔端(競筆端)





左阜贝丁反

(贝)

在草书中，字的左部位阜（阝）、贝一般同写作𠂔，写法像丁钩反挑，如𠂔（阿）、𠂔（贱）等，在其同部位的字还有𠂔、𠂔、𠂔、𠂔等，𠂔（师）、𠂔（即）、𠂔（尉）、𠂔（归）等。